 ES-221/ES-221 (Revised)

DIPLOMA IN PRIMARY EDUCATION (DPE)

Term-End Examination

December, 2013

06080

ES-221 : UNDERSTANDING THE PRIMARY SCHOOL CHILD

Time : 3 hours *Maximum Weightage : 70%*

Note : *(i)* ***All*** *questions are compulsory.*

(ii) ***All*** *questions carry* ***equal*** *weightage.*

Answer the following questions (**1** and **2**) in about ***600*** words each :

1. Discuss with examples the role of play in the mental and physical development of children.

OR

"Young children differ in their emotions from those of older children and adults" Justify the statement with examples.

2. Explain the factors responsible for child marriage. What remedial measures you as a teacher would take to discourage child marriage.

OR

Discuss with examples the physiological and psychological needs of primary school children.

3. Answer **any four** of the following questions in about **150** words each.

(a) What role does environment play in the personality development of a child ?

(b) Explain various factors affecting the physical and motor development of a child.

(c) Describe the pattern of social development.

(d) Explain the factors influencing play of children.

(e) What do you understand by gender discrimination ?

4. Answer the following question in about **600** words :

You must have noticed children showing problem behaviours in the class and use your own strategies to modify their behaviour. Based on your experience, prepare a blue print for personality development of different types of problem-children.

प्राथमिक शिक्षा में डिप्लोमा (डी.पी.ई.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2013

ई.एस.-221 : प्राथमिक विद्यालयी बालक को समझना

समय : 3 घण्टे *अधिकतम भारिता : 70%*

नोट : *(i)* ***सभी*** *प्रश्न* ***अनिवार्य*** *हैं।*

(ii) ***सभी*** *प्रश्नों की* ***भारिता समान*** *है।*

निम्नलिखित प्रश्नों (प्रश्न संख्या **1** व **2**) में से प्रत्येक का उत्तर लगभग *600* शब्दों में दीजिए :

1. बालकों के मानसिक एवं शारीरिक विकास में खेल की भूमिका की सोदाहरण चर्चा कीजिए।

अथवा

"बालकों एवं वयस्कों/प्रौढ़ों की तुलना में छोटे बालक अपने संवेगों में भिन्न हैं।" इस कथन का सोदाहरण औचित्य प्रतिपादित कीजिए।

2. बाल विवाह के लिए उत्तरदायी कारकों की व्याख्या कीजिए। एक अध्यापक के रूप में आप बाल-विवाह को हतोत्साहित/ निरूत्साहित करने के लिए कौन से सुधारात्मक कदम उठायेंगे ?

अथवा

प्राथमिक विद्यालय के बालकों की शारीरिक और मानोवैज्ञानिक आवश्यकताओं की सोदाहरण चर्चा कीजिए।

3. निम्नलिखित में से **किन्हीं चार** प्रश्नों में से प्रत्येक का उत्तर लगभग **150** शब्दों में दीजिए :

(a) बालक के व्यक्तित्व-विकास में पर्यावरण क्या भूमिका अदा करता है ?

(b) बालक के शारीरिक एवं गामक (motor) विकास को प्रभावित करने वाले विभिन्न कारकों की व्याख्या कीजिए।

(c) सामाजिक विकास के ढाँचे (Pattern) का वर्णन कीजिए।

(d) बच्चों के खेल को प्रभावित करने वाले कारकों की व्याख्या कीजिए।

(e) लिंग (Gender) भेदभाव से आप क्या समझते हैं ?

4. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग **600** शब्दों में दीजिए :

आप ने कक्षा में समस्या व्यवहार (Problem behaviours) का प्रदर्शन करते हुए बच्चों को अवश्य देखा होगा और उनके व्यवहार को परिष्कृत करने के लिए अपनी व्यूह-रचना (strategies) का प्रयोग किया होगा। अपने अनुभवों के आधार पर विभिन्न प्रकार के समस्या ग्रस्त बच्चों के व्यक्तित्व-विकास के लिए एक ब्लयू प्रिन्ट तैयार कीजिए।

———

प्राथमिक शिक्षा में डिप्लोमा (डी.पी.ई.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2013

ई.एस.-221 (संशोधित) : प्राथमिक विद्यालयी बालक को समझना

समय : 3 घण्टे *अधिकतम भारिता : 70%*

नोट : *(i)* ***सभी चारों*** *प्रश्न* ***अनिवार्य*** *हैं।*

(ii) ***सभी*** *प्रश्नों की* ***भारिता समान*** *है।*

---

1. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :
कक्षा में शोध के अर्थ का वर्णन कीजिए। एक शोधकर्त्ता के रूप में एक प्रारंभिक शिक्षक की भूमिका की चर्चा कीजिए।

अथवा

एक शिक्षक के लिए बच्चों को समझने के सामान्य तरीकों का विवरण दीजिए। आप एक प्रभावी शिक्षक बनने के लिए क्या-क्या तैयारियाँ करना चाहेंगे। चर्चा कीजिए।

2. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :
बच्चों के विकास में विविध कठिन संदर्भों की भूमिका का वर्णन कीजिए। राष्ट्रीय प्राथमिक शिक्षा पोषाहार सहायता कार्यक्रम (मध्याहन भोजन योजना) के महत्त्व की चर्चा कीजिए।

अथवा

बच्चों के भाषायी और लैगिंक संदर्भों का उनके विद्यालयीकरण पर पड़ने वाले प्रभाव की चर्चा कीजिए।

3. निम्नलिखित में से **किन्हीं चार** प्रश्नों उत्तर लगभग (प्रत्येक) **150** शब्दों में दीजिए।

(a) बच्चे और बाल्यावस्था की धारणाओं की समझ शिक्षक के लिए किस प्रकार सहायक होती है? स्पष्ट कीजिए

(b) कोलबर्ग के नैतिक विकास के सिद्धान्त का वर्णन कीजिए।

(c) अनुकूलन (Adaptation) पर एक टिप्पणी लिखिए।

(d) परिवार और समुदाय कैसे बच्चों की जिंदगी से संबंधित होता है? विवेचना कीजिए।

(e) बाल-केन्द्रित शिक्षा में शिक्षक की भूमिका की चर्चा कीजिए।

(f) सह-शैक्षिक मूल्यॉंकन का वर्णन कीजिए।

4. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग **600** शब्दों में दीजिए। मनोगत्यामक विकास-अवधारणा का वर्णन कीजिए। विद्यालय में बच्चों में स्थूल एवम् सूक्ष्म गत्यात्मक विकास हेतु कराई जा सकने वाले विभिन्न क्रियाकलापों की चर्चा, उदाहरण सहित कीजिए।